छठा नदी उत्सव

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री **सी.आर. पाटिल** ने छठे **नदी उत्सव** का उद्घाटन किया तथा नदियों के संरक्षण हेतु नागरिकों की सामूहिक **ज़िम्मेदारी** पर ज़ोर दिया।

- उन्होंने **नमामि गंगे परियोजना** के महत्त्व को रेखांकित किया, जो नदियों की **स्वच्छता बनाए रखने**, **अतिक्रमण रोकने** और **धार्मिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण पवित्र नदियों के संरक्षण** पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य**: संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA)** द्वारा आयोजित नदी उत्सव में नदियों के महत्त्व को आवश्यक जीवनरेखा और **सांस्कृतिक जलाशय** के रूप में उजागर किया गया।
  - उत्सव में नदियों के **पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और कलात्मक** आयामों को उजागर किया गया, जिससे उनकी महत्ता को गहराई से समझने का अवसर मिला।
- **कार्यक्रम की अवधि**: यह कार्यक्रम 25 से 27 सितंबर 2025 तक **दिल्ली** में आयोजित किया गया, जिसमें **सेमिनार**, फिल्म स्क्रीनिंग और प्रदर्शनियाँ शामिल थीं।
  - **रिवरस्केप डायनेमिक्स: परिवर्तन और निरंतरता** शीर्षक वाले सेमिनार में पारंपरिक नदी ज्ञान, **नदी देवताओं** तथा लोक कथाओं एवं नदियों की **कला, शिल्प व विज्ञान** में भूमिका पर चर्चा की गई।
- **मेरी नदी की कहानी**: इस उत्सव में नदियों से जुड़े **पर्यावरणीय मुद्दों और मानव संबंधों** पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री था फिल्में प्रदर्शित की गईं।
  - प्रदर्शित फिल्मों में गोताखोर: लुप्त होते **गोताखोर समुदाय, भारत का नदी पुरुष, अरथ गंगा, मोलाई - जंगल के पीछे का आदमी, कावेरी - जीवन की नदी, और लद्दाख -सिंधु** नदी के किनारे जीवन शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/6th-nadi-utsav